



অমৃতবাণী

জহাঁ ভী লগে কি আপকি
জুরুর নহী হৈ, বহাঁ সে
চুপচাপ খুড় কো অলগ
কৰ লেনা চাহিএ।



তন্দুরস্তী

নিংক কা বহুত বড়া রোল
হৈ শৰীর ও মন কো
স্বপ্ন রক্ষণ মে। সুরুন
ভৰী নিংক আপ দিনপৰ
ফ্রেশ ও এনজেন্টিক
ফীল কৰতে হৈ। কিন্তু
কাম পৰ ফোকস কৰ
সকতে হৈ। তো অচৰী
নিংক কে লিএ বিস্তৰ পৰ
জান কে বাদ মোবাইল,
টীবী আদি কে ইলেক্ট্ৰোমাল
ন কৰে তো বেহতৰ।



এক নিজৰ

অমেরিকা : এয়া শো কে
দৌৱান টকৰাএ দো সেন্য
বিপান, 6 কী মোৰ

ডলাস : অমেরিকা কে ডলাস মেং
এয়া শো কে দৌৱান দো সেন্য
বিপান আপস মেং টকৰা গৈ,
জিসকে বাদ
উন্মেং আগ লগ গৈ। হাদসে মেং 6
লোগো কী মোৰো হৈ গৈ। বিমানো
কে টকৰনে কে বাদ আসন্মান
ধূঁধূঁ কো গুৱার দিখাই দিয়া। ঘণ্টনা
দোপৰ কৰোব এক বজকৰ 20
মিনট পৰ শৰীর কে মুখ্য ইলাকে
লগানো 1.6 কিলোমিটৰ দূৰ হৈ।

**আতকীয়ো নে দো মজদুৰো
কো গোলী মারী, গংভীৰ
অন্তৰামা :** অন্তৰামা জিলো
কে রখ মৌমিন ইলাকে মেং দো মজদুৰো
কো গোলী মারক মাগে আতকীয়ো
কী ধৰ-পক্ষ কে লিএ সুৰাবালো
কে তলাশী অধিয়ান কে দৌৱান
সুৰাবালো নে আনে-জানে বালে
সমী রাতৰো কো বৰ্দ রক্ষা হৈ। বৰ্তা
দে কি অন্তনাম জিলো কে রখ
মৌমিন ইলাকে মেং আতকীয়ো
নে উত্তৰ প্ৰদেশ নিবাসী দো মজদুৰো
পৰ গোলীবারী কী থী। দোনো কো
ঘায়লাবস্থা মেং অস্তলাম মেং ভৰ্তা
কৰায় গৈ, জহাঁ উনকা উপচাৰ
জারী হৈ।

ৱেলথে ট্ৰেক পৰ ব্লাস্ট

এটীএস জুটী জাঁচ মেং
উদয়পুৰ : তেহৰ দিন পহেলো
প্ৰধানমন্ত্ৰী নংদে মোদী দ্বাৰা
উদ্বৃত্তি উদয়পুৰ-অহমদবাদ ব্ৰাংড
গেজ রেলে লাইনো কে বিস্কোটক কে
জিৱে রেলে লাইনো কী খৰতনাক
সাজিশ রাখী গৈ। বিমানো নে
উদয়পুৰ জিলো মেং কেবড়া জাঁচল
কে আগে ওড়া পুল কো উডানে
কে পৰটী পৰ ক্রেক আগ দৰ তথা
কুছু দুৰ্ঘাটনা কৰায় আগ দৰ গৈ।
মোকে পৰ বালুড় ভী মিলা হৈ।
ঘণ্টনা কী জাঁচ এটীএস নে শুল
কী হৈ।

দেখো পেজ-৪

কমৰ্শিয়ল এলপীজী

সিলিঙ্গড় পৰ ছুট খত্ম

নই দিল্লী : আম আদৰ্শী কী জৰু
পৰ বোঝ ও বদনে বালী হৈ।

বদনী মহার্ষী কী বীৰ দেশ মেং

কমৰ্শিয়ল এলপীজী সিলিঙ্গড় পৰ

মিলেন বালী ছুট কো অৰ খুল

কৰ দিয়া গৈ। ইসকে বাদ

কমৰ্শিয়ল সিলিঙ্গড় পৰ দিয়া জানে

বালী 200 মেং 300 রুপ্যে তক

কা দিস্কুন্ট অৰ বাংল হৈ গৈ,

বিস্কোট কে আপনো

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মেং 38 লোগ ঘালুল হৈ

গৈ। জহাঁ দুৰ্ঘাটনা পৰ দিয়া হৈ।

জিস্টানুবুল মে

अयोध्या में राम मंदिर के साथ मस्जिद का काम पूरा होने की उम्मीद : ट्रस्ट

■ 2023 तक तैयार होगा मस्जिद का ढांचा

■ मंदिर के साथ ही पूरा होगा मस्जिद का काम

■ अयोध्या जिला प्रशासन कर रहा ट्रस्ट का पूरा सहयोग

अयोध्या : सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उत्तर प्रदेश में अयोध्या में मुसलमानों को दी गई जमीन पर मस्जिद का निर्माण विसंवर 2023 तक पूरा होनी चाही है। यह जानकारी मस्जिद का निर्माण करा रहे इंडी इस्लामिक कल्याण फाउंडेशन ट्रस्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अगर ऐसा हुआ तो यह कर संयोग होना में भव्य राम मंदिर का निर्माण मुसलमान होने के आसपास ही मस्जिद का ढांचे की तमीन भी पूरी हो जाएगी। जिस जमीन पर इस मस्जिद का निर्माण कराया जाएगा वह राम जन्मभूमि वाली मस्जिद मामले में उत्तमतम् न्यायालय द्वारा सुनाए गए आदेश के अनुसार मुस्लिम पक्ष को दी गई है। उत्तर प्रदेश सुनारे सेंट्रल वक्तव्य बोर्ड ने मस्जिद के निर्माण के लिए इंडी इस्लामिक कल्याण फाउंडेशन ट्रस्ट का गठन



किया है। ट्रस्ट के सचिव अतहर हुसैन ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में बताया, 'हम मस्जिद के आखिर तक अयोध्या विकास प्राधिकरण से मस्जिद, अस्पताल, सामुदायिक सेंटर का नवाचन मिल जाने की तमीन है। उसके फौरन बाद हम मस्जिद का निर्माण करा रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'वैसे तो फाउंडेशन मस्जिद के साथ वाली चीजों का भी निर्माण शुरू कराएं लेकिन क्योंकि मस्जिद छोटी है इसलिए उसके जल्द बनकर तैयार हो जाने की संभावना है। हालांकि इसके निर्माण की कोई समय सीमा नहीं तय की गई है मगर उम्मीद है।'

उन्होंने कहा, 'वैसे तो फाउंडेशन मस्जिद के अन्य वाली चीजों को भी निर्माण शुरू कराएं लेकिन क्योंकि मस्जिद छोटी है इसलिए उसके जल्द बनकर तैयार हो जाने की संभावना है। हालांकि इसके निर्माण की कोई समय सीमा नहीं तय की गई है।'

बता दे कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थी क्षेत्र ट्रस्ट ने अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य था। फाउंडेशन के सचिव हुसैन ने बताया कि अगले एक साल के अंदर (विसंवर 2023 तक) हम मस्जिद का ढांचा तैयार कर लेंगे।'

हुसैन ने बताया कि मस्जिद और अन्य सुविधाओं का निर्माण उसी दिनांक के अनुरूप किया जाएगा जो ट्रस्ट ने पहले जारी किया था। उन्होंने जनवरी 2024 में भवित्व के बाद मंदिर में विविध दर्शन-पूर्वानुष्ठान शुरू कर दिए जाएंगे। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2019 को अयोध्या के असें पुरुषों का भवान में भवित्व के लिए पांच एकड़ जारी देने का निर्माण विसंवर 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा और जनवरी 2024 में भवित्व के बाद मंदिर में विविध दर्शन-पूर्वानुष्ठान शुरू कर दिए जाएंगे। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2019 को अयोध्या के असें पुरुषों का भवान में भवित्व के लिए पांच एकड़ जारी देने का नि�र्माण विसंवर 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाद में उसकी स्मारकता के बाद बाकी भवान के लिए भोजन कर सकेगा। उन्होंने बताया कि बाद में उसकी विविध दर्शन-पूर्वानुष्ठान शुरू कर दिए जाएंगे। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2019 को अयोध्या के असें पुरुषों का भवान में भवित्व के लिए पांच एकड़ जारी देने का नि�र्माण विसंवर 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाद में उसकी स्मारकता के बाद बाकी भवान के लिए भोजन कर सकेगा। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन ने प्रगतिशील सोच से इस्तामिक रिसर्च सेंटर और और एक पुस्तकालय के निर्माण की भी फैसला लिया है ताकि क्षेत्र के लोगों को इसका फायदा मिले।

उन्होंने बताया कि सकारात्मक वक्तव्य बोर्ड के जो जमीन दी है वह राजस्व अभियोगों में कृषि उपयोग की भूमि के रूप में दर्ज है, इसलिए उसके भू उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया किए गए और उस पर कोई निर्माण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट ने इसके भूपूर्वक विविध दर्शन-पूर्वानुष्ठान के लिए गठित कर्मचारी ने उसे गांजा नहीं लाने के लिए लालजीत ने उसे गांजा नहीं लाने के लिए लालजीत के पास गया हूआ था। लालजीत ने उसे गांजा नहीं लाने के लिए लालजीत के पास गया है। उन्होंने बताया कि जाम को समाप्त करा रहा था। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2019 को अयोध्या के असें पुरुषों का भवान में भवित्व के लिए पांच एकड़ जारी देने का नि�र्माण विसंवर 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बाद में उसकी स्मारकता के बाद बाकी भवान के लिए भोजन कर सकेगा। उन्होंने बताया कि फाउंडेशन ने प्रगतिशील सोच से इस्तामिक रिसर्च सेंटर और और एक पुस्तकालय के निर्माण की भी फैसला लिया है ताकि क्षेत्र के लोगों को इसका फायदा मिले।

उन्होंने बताया कि सकारात्मक वक्तव्य बोर्ड के जो जमीन दी है वह राजस्व अभियोगों में कृषि उपयोग की भूमि के रूप में दर्ज है, इसलिए उसके भू उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया किए गए और उस पर कोई निर्माण नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट ने इसके भूपूर्वक विविध दर्शन-पूर्वानुष्ठान के लिए गठित कर्मचारी ने उसे गांजा नहीं लाने के लिए लालजीत ने उसे गांजा नहीं लाने के लिए लालजीत के पास गया है। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2019 को अयोध्या का भवान प्रशासन ट्रस्ट का पूरा सहयोग कर रहा है जिसके लिए वह उन्हें धन्यवाद देते हैं।

मंदिर का निर्माण विसंवर 2023 तक मुकामल हो जाने की बात कही है। संभावना है कि मस्जिद का निर्माण भी इसी क्षेत्र तक अस्पताल राय ने पछले जारी किया जाएगा। राम जन्मभूमि तीर्थी क्षेत्र ट्रस्ट के महासिंचित चंपात राय ने विषयी 25 अक्टूबर को संवाद कर दिए जाएंगे। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद संतोषी रूप से दिया गया। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे।

शुरू में यह चैरिटेबल अस्पताल 100 बेड का होगा, जिसे बाद में बढ़ावार 200 बेड के किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके अलावा सामुदायिक सेंटर राय ने विषयी 25 अक्टूबर को संवाद कर दिए जाएंगे। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे।

मंदिर का निर्माण विसंवर 2023 तक मुकामल हो जाने की बात कही है। संभावना है कि मस्जिद का निर्माण भी इसी क्षेत्र तक अस्पताल राय ने पछले जारी किया जाएगा। राम जन्मभूमि तीर्थी क्षेत्र ट्रस्ट के महासिंचित चंपात राय ने विषयी 25 अक्टूबर को संवाद कर दिए जाएंगे। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे।

मंदिर का निर्माण विसंवर 2023 तक मुकामल हो जाने की बात कही है। संभावना है कि मस्जिद का निर्माण भी इसी क्षेत्र तक अस्पताल राय ने पछले जारी किया जाएगा। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे।

मंदिर का निर्माण विसंवर 2023 तक मुकामल हो जाने की बात कही है। संभावना है कि मस्जिद का निर्माण भी इसी क्षेत्र तक अस्पताल राय ने पछले जारी किया जाएगा। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे।

मंदिर का निर्माण विसंवर 2023 तक मुकामल हो जाने की बात कही है। संभावना है कि मस्जिद का निर्माण भी इसी क्षेत्र तक अस्पताल राय ने पछले जारी किया जाएगा। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे।

मंदिर का निर्माण विसंवर 2023 तक मुकामल हो जाने की बात कही है। संभावना है कि मस्जिद का निर्माण भी इसी क्षेत्र तक अस्पताल राय ने पछले जारी किया जाएगा। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे।

मंदिर का निर्माण विसंवर 2023 तक मुकामल हो जाने की बात कही है। संभावना है कि मस्जिद का निर्माण भी इसी क्षेत्र तक अस्पताल राय ने पछले जारी किया जाएगा। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे।

मंदिर का निर्माण विसंवर 2023 तक मुकामल हो जाने की बात कही है। संभावना है कि मस्जिद का निर्माण भी इसी क्षेत्र तक अस्पताल राय ने पछले जारी किया जाएगा। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे।

मंदिर का निर्माण विसंवर 2023 तक मुकामल हो जाने की बात कही है। संभावना है कि मस्जिद का निर्माण भी इसी क्षेत्र तक अस्पताल राय ने पछले जारी किया जाएगा। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे।

मंदिर का निर्माण विसंवर 2023 तक मुकामल हो जाने की बात कही है। संभावना है कि मस्जिद का निर्माण भी इसी क्षेत्र तक अस्पताल राय ने पछले जारी किया जाएगा। उच्चतम् न्यायालय ने 9 नवंबर 2023 तक राम मंदिर के संवाद कर दिए जाएंगे।

मंदिर का निर्माण विसंवर 2023 तक मुकामल हो जाने की बात कही है। संभावना है कि मस्जिद का निर्माण

अध्यात्म

शरीर के साथ मन को भी अच्छे विचारों से साफ करना चाहिए

रमकृष्ण परमहंस से जुड़ा किस्सा है। परमहंस जी की एक आदत ये थी कि वे जो काम करते, बहुत ही ईमानदारी से चिंता मुक्त होकर करते थे। परमहंस जी के सभी शिष्य उनकी इस आदत के बारे में अच्छी तरह जानते थे। परमहंस जी के पास एक लोटा था। रोज जें वे अपने लोटे को 3-4 बार बहुत से ही पानी पीते थे। रोज रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद परमहंस जी लोट को जल्द साफ करते थे। वे लोटे को सफाई ऐसे तो हम रोज जलते हैं, इसके साथ ही मात्र को भी साफ करते हैं। शरीर साफ करते थे कि लोटा अंदर-बाहर से चम्पकने लगता था।

अधिकतर शिष्य परमहंस जी के इस काम के बारे में जानते थे, सभी हार्षार्थी भी होती थी कि उनके गुण जी एक लोटे के अंदर मात्र हैं।

परमहंस जी ने एक दिन एक शिष्य से परमहंस जी के बारे में जानते थे कि हमारा जल्द साफ करते रहना चाहिए। परमहंस जी ने हार्षार्थी भी होती थी कि वे लोटा काम करते रहना चाहिए। इसकी वजह पूछ ली। सभी शिष्य भी वही थे। परमहंस जी ने उस शिष्य से कहा कि जब-जब मैं वे लोटा काम करते रहना चाहिए, तो ये विचारों से साफ करता हूं और क्यों नहीं क्योंकि वे लोटे पर दिनभर मैं कई बार धूत जम जाती हैं।

अगहन में शिव विवाह



पवित्र अगहन मास : राम-जानकी और शिव-पार्वती का हुआ पा विवाह, कृष्ण ने अर्जुन को दिया पा गीता ज्ञान

अगहन महीना 8 दिसंबर तक रहेगा। पुराणों में इसे पवित्र मास कहा गया है। इसी महीने में शिव-पार्वती और राम-सीता का विवाह हुआ था। इस पवित्र महीने में ही कृष्णना जी की गीता का ज्ञान दिया था। वहीं, जानकीरों का धूल जमती है। अग मन को अच्छे विचारों से साफ नहीं किया जाता तो वे लोटे को सफाई ऐसे करते हैं, इसके साथ ही मात्र की धूल जमती रहती। शरीर साफ करते थे कि लोटा अंदर-बाहर से चम्पकने लगता था।

वैदिक काल से ही शासन माना गया है। इसके नाम से ही पता चलता है कि ये सभी महीनों में शीर्ष पर होने के कारण अगुणी और सबसे ज्यादा खास हैं। इसके माध्यमशीर्ष को सह मास कहा है। यानी ये महान समाप्ति का है। इस महीने विश्व ग्रह सभी त्रितीय और पूजा का पूरा फल जल्दी ही मिलता है। किए गए हां तरह के शुभ काम भगवान को अर्पित होते हैं।

अगहन में शिव विवाह

शिव पुराण के वृत्तं अध्याय में



इस साल 10 नवंबर को पढ़ रहा है।

अर्जुन को दिया गीता ज्ञान

है कि महर्षि वसिष्ठ ने राजा हिमान्तय को भगवान शिव-पार्वती विवाह के लिए समझाते हए विवाह का मुहूर्म मार्गशीर्ष महीने में होना तय किया था। जिसके बारे में इस संहिता के 58 से 61 वें श्लोक तक बताया गया है। पुरी के एकादशी पर भगवान कृष्ण ने उर्जुर्जी को गीता का ज्ञान दिया था। इसलिए इस दिन भगवान कृष्ण की मोमांडी एकादशी की गीता है। इस दिन गीता ज्ञान यांत्रिकी भी मनाई जाती है। इस दिन गीता ज्ञान यांत्रिकी भी मनाई जाती है। इस बार ये

तिथि और महीने के मुताबिक ये दिन

दिन 3 दिसंबर, शनिवार को रहेगा।

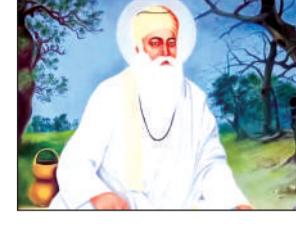
श्रीराम-सीता विवाह

धर्म ग्रंथों के मुताबिक अगहन महीने में ही श्रीराम-सीता का विवाह हुआ था। त्रैतायुग में मार्गशीर्ष महीने के शुक्र पक्ष की पंचमी तिथि पर उत्तराखण्डी नक्षत्र में श्रीराम-सीता का विवाह हुआ था। इसलिए इस दिन को विवाह पंचमी भी कहा जाता है।

प्रकट हुए बांके विहारी, कश्यप ऋषि ने बनाया कश्मीर

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान कृष्ण ने कहा है कि सभी महीनों में मार्गशीर्ष महीना उक्ता ही स्वरूप है। इसी पवित्र महीने में बक्ष्य पक्ष की शक्तिमान शिव-पार्वती विवाह के लिए समझाते हए विवाह का मुहूर्म मार्गशीर्ष महीने में होना तय किया था। जिसके बारे में इस संहिता के 58 से 61 वें श्लोक तक बताया गया है। पुरी के एकादशी पर भगवान कृष्ण ने उर्जुर्जी को गीता का ज्ञान दिया था। इसलिए इस दिन भगवान कृष्ण की मोमांडी एकादशी की गीता है। इस दिन गीता ज्ञान यांत्रिकी भी मनाई जाती है। इस बार ये

तिथि और महीने के मुताबिक ये दिन



निमंत्रण दिया। ये देखकर शिष्यों की

हैंगामी और बढ़ गई थी।

गाव के लोगों के जाने के बाद शिष्यों ने गुरु नानक से इस बारे में पूछा। नानक जी ने कहा कि मुझे इस गाव के लोगों को बाहर ही डेंगा। ये देखकर शिष्यों की

साकेतिक भाषा थी।

पहले ये लोग दूध का गिलास

लवालब भरकर लाए थे, इसका

मतलब ये था कि गाव के सभी लोग

ज्ञानी हो गए थे। यह हमें

पूछा था। गाव के लोगों को ज्ञान दिया था। नानक जी ने गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गाव के लोग वह गिलास लेकर बास्तव चले गए। सभी शिष्यों ने दूध देख रखे थे।

कुछ देर बाद उसके बाद विद्वान गांव के लोगों ने गुरु नानक के जाने के बाद अपने गांव में पहुंचे और वह आपके साथ सङ्गा करके लौट जामें। गाव के लोगों ने योग देखा और बढ़ी लोगी और हमें गांव में आने के लिए उन्हें

पहले ये लोग दूध का गिलास

लवालब भरकर लाए थे, इसका

मतलब ये था कि गाव के सभी लोग

ज्ञानी हो गए थे। यह हमें

पूछा था। गाव के लोगों को ज्ञान दिया था। नानक जी ने गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गाव के लोग वह गिलास लेकर बास्तव चले गए।

अगहन मास में शंख पूजा की परंपरा

अभी हिन्दू पंचांग का नवां महीना अगम चल रहा है। ये मार्गशीर्ष भी कहा जाता है। ये गिलास धर्म के साथ ही सेवत के नजरिये से भी बहुत खास है। इस महीने में रोज

सुबह जल्दी उठना चाहिए, ध्यान और योग-प्रायाग्राम जल्दी करें। स्नान के बाद गुलाम सुनाना चला जाता है। वे गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास पर गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता है। ये गिलास देखा और उसमें गुलाम

की कुछ पंखुड़ियां डाल दी। गिलास के बाद गुलाम द्वारा चला जाता

फाइनल में हारा पाकिस्तान, इंग्लैड ने जीता खिताबी मुकाबला

स्टोक्स ने तोड़ा पाक का सपना

नई दिल्ली : टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में इंग्लैड ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हारा दिया। फाइनल में इंग्लैड का समाना भी पाकिस्तान की टीम के साथ अंतर्वर्ती की। पूरी इंटर्ने में कभी कोई पाकिस्तान की बल्लेबाजी को खुलकर खेलने का मौका ही नहीं मिला। इस टीम की तरफ से कोई बड़ी साझेदारी नहीं हो गई।

बाबर आजम की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 137 रन ही रिकॉर्ड बनाए। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज, मोहम्मद रिजावान महज 15 रन बनाकर आउट हो गए। कमान बाबर आजम ने 28 गेंदों पर 32 रन की पारी खेली। शान महसूद ने 28 गेंदों पर 38 रन बनाए। बता दें कि इंग्लैड की ओर से सैम कुरेन ने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट छीटके।

आदिल रशीद और सैम करन ने मैच जिताया : बेन स्टोक्स

दूसरी पारी में इंग्लैड को पहला झटका एलेक्स हेल्स रूपी में लगा। पहली ही ओवर में शाहीन शाह अफरीदी की गेंद पर एलेक्स हेल्स कर्नन बोल्ड हो गए। वहीं, चौथे विकेट के लिए बेन स्टोक्स और हाईरी ब्रूक ने 39 रन जड़े। बेन स्टोक्स ने 49 गेंदों पर एक छाका और 5 चौकों की मदद से नाबाद 52 रन बनाए।

मैच खत्म होने के बाद बेन स्टोक्स ने कहा कि जब आप फाइनल में किसी स्कोर का पीछा कर रहे होते हैं, तो आप यह भूल जाते हैं कि गेंदबाजों के दौरान भी कैसी गेंदबाजी की है। आदिल रशीद और सैम कुरेन ने इस मैच की जिताया है। यह एक ट्रिकी विकेट था। यहां पांच विषयी टीम को ऐसे छोटे स्कोर यानी 130 के आस-पास रोकना एक बड़ी बात है। बेन स्टोक्स ने आगे कहा कि आयरलैंड से हासने के बाद टीम ने इस ट्रॉनमेंट में वापसी की। इस ट्रॉनमेंट में टीम ने अपनी गतियों से सीख ली। मैं तिनी टी20 वर्ल्ड कप में देश के लिए खेलना एक बड़ी बात है।

तलाक की खबरों के बीच द मिर्जा मलिक शो में नजर आएंगे सानिया-शोएब



नई दिल्ली : भारतीय टेनिस स्टर सानिया मिर्जा और पाकिस्तान के ब्रिकेट शोएब मलिक को लेकर लगातार अपवाही की दीर जारी है। उनकी तलाक की खबरों का भी एलान किया जा रहा है। हालांकि, अब तक इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। लेकिन यह बात सत्य है कि अब दोनों एक टॉक शो में एक साथ नज़र आने वाले हैं। सानिया मिर्जा और शोएब मलिक एक नया टॉक शो लेकर आ रहे हैं जिसमें वह दोनों हासें करते भी नज़र आयेंगे। इस टॉक शो का नाम मिर्जा-मलिक शो रखा गया है। इसका पोस्टर भी सुशाश्वत मीडिया पर आपकी वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक यह टॉक शो पाकिस्तानी चैनल पर प्रसारित किया जाएगा।

पिछले दिनों सानिया मिर्जा और शोएब मलिक की तलाक की खबर चल रही थी। दावा किया गया था कि सानिया मिर्जा और शोएब मलिक ने आधिकारी तौर पर तलाक ले लिया है। अभी भी यह खबर सुनियोगी है।

अपिंट के लिए दिनों से वाले खबरों के बीच शांत होनी।

रिपोर्ट लिवरपूल एफसी को 38 हजार करोड़ रुपए में खरीद सकते हैं मुकेश

फुटबॉल कलब खरीदने की रेस में अंबानी

नई दिल्ली : भारत के दूसरे सबसे अमीर अदानी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी जल्द ही इंगिलिश प्रीमियर लीग की ट्रिम्ज फुटबॉल टीम खरीद सकते हैं। द मिरर की रिपोर्ट एक सुपर लीग, मुकेश अंबानी लिवरपूल फुटबॉल कलब को खरीदने की रेस में शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, लिवरपूल एफसी का मालिकाना हक खेलने वाले फेन्से स्ट्रोंटर्स ग्रुप से लेकर को चेनों की तैयारी शुरू की दी है। इस ट्रिम्ज ने लिवरपूल एफसी को चेनों के लिए 4 लिंगियन पार्टनर यानी 38 हजार करोड़ रुपए कीमत रखी गई है। यानी अंबानी को फुटबॉल कलब खरीदने के लिए इन्होंने राम चुकाने होनी दी है। इस ट्रिम्ज ने दावा किया जा रहा है कि लिवरपूल कलब को खरीदने के लिए उत्तरी रकम दें दिये।

अंबानी को स्पोर्ट्स में अंटरेस्ट की नेटवर्क 7.6 लाख



स्वत्वाधिकारी कम्प्यूटर मीडिया (इंडिगा) कन्सलेटेंस द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित। एल.एस. पब्लिकेशन्स प्रा.लि. 4, केनाल वेस्ट रोड, कोलकाता-700015 से मुद्रित एवं 33 ए.जे.एल.एस. रोड, ए/1 दसवां तल्ला, चट्टांगी इंटरनेशनल सेंटर, कोलकाता-700071 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : राकेश रंजन श्रीवास्तव (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), E-mail : reporting.jhalak@gmail.com, R.N.I. NO. : WBHIN/2005/19980, संपर्क : 8116230704। प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधीन।

(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)

अंबानी की नेटवर्क 7.6 लाख

अंब